इक सांस आये रे इक सांस जाए रे | आत्मिक भजन

इक सांस आये रे,इक सांस जाए रे
जियरा भी पास में फसता जाए रे ।
सांस पहर बन ढलता जाए,
सखी सईयां ना आये रे ॥

चार कहार मिली डोलिया उठावे,
सखवा से पाती तोड़ ले जावे ।
सांस पखेरू बन उड़ता जाए,
सखी सईयां ना आये रे ॥

नैन मूंदे तो मैं जागी,
गाँठ खुले मन का ओ रे राही ।
इक आस आये,जब सांस जाए,
सखी सईयां आये रे ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1145/title/ik-saas-aaye-re-ik-saas-jaaye-re-soulful-spiritual-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |